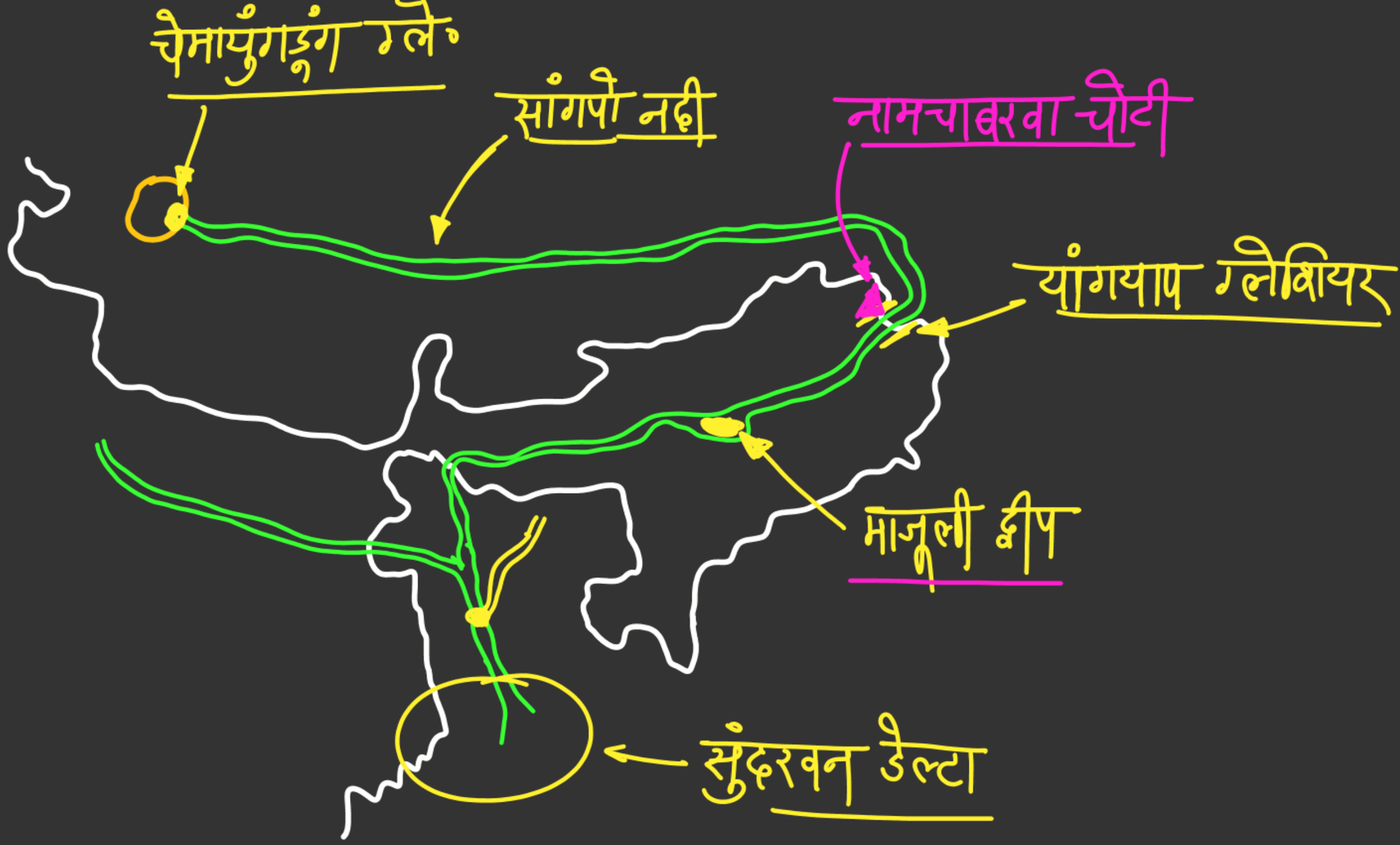
चेमायुंगडुंग ग्लेः
सांगपो नदी
नामचाबरवा चोटी
यांगयाप ग्लेशियर
माजुली द्वीप
सुंदरवन डेल्टा

- भारत में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन की संभावनाओं वाली नदी है।
- इसे तिब्बत में सांगपो (अर्थ - शोधक) तथा चीनी भाषा में यारलुंग कहा जाता है।
- भारत में इसका प्रवेश नामचाबरवा चोटी के निकट यू टर्न लेते हुए यांगयाप दर्रे से होता है जिसे प्रवेश पर दिहांग के नाम से जाना जाता है।

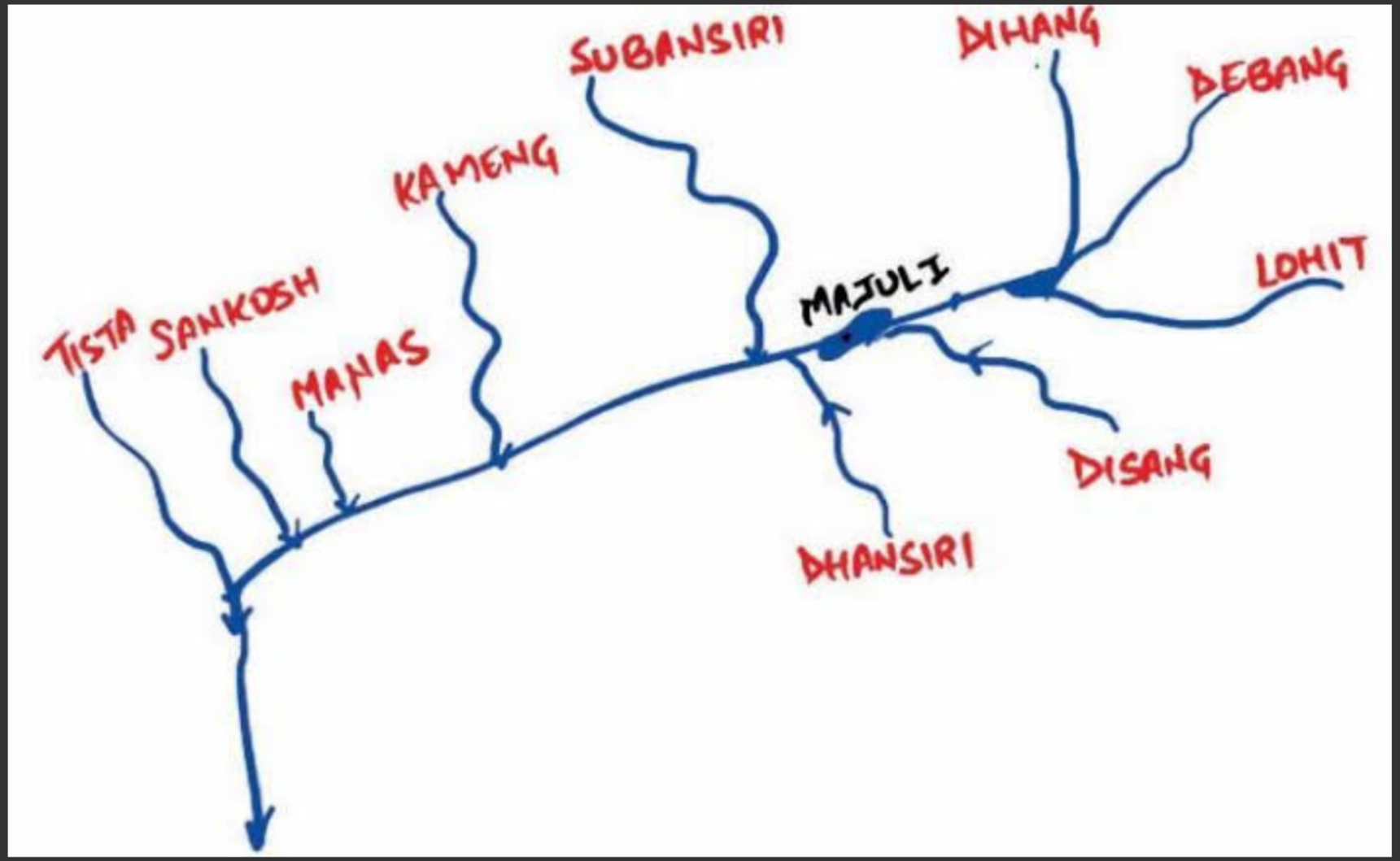

बोगीबील पुल

4.94 KM

सुबनसिरि या स्वर्ण नदी पर देश की सबसे बड़ी जल विद्युत परि. निर्माणाधीन है

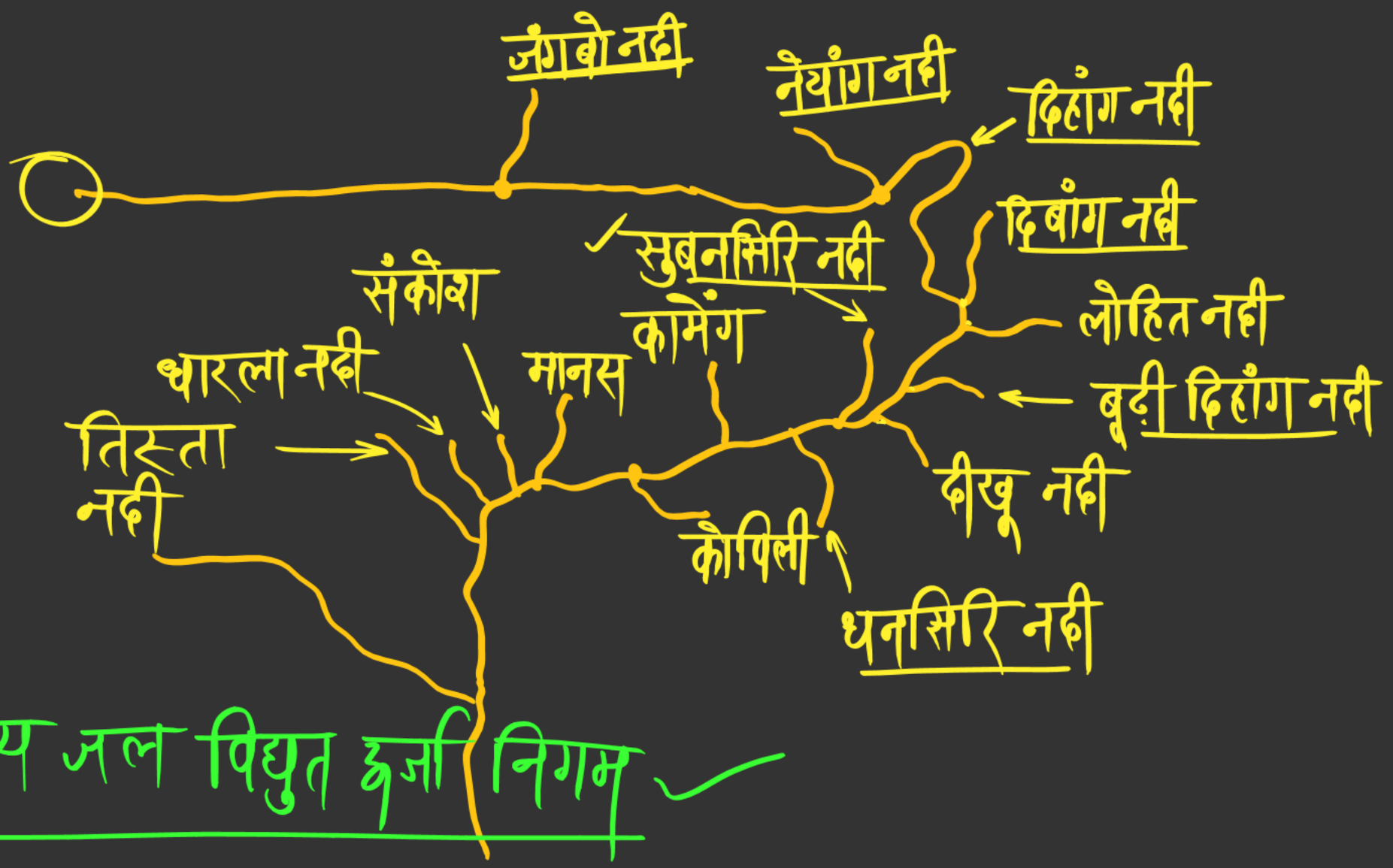

क्रियान्वयन - राष्ट्रीय जल विद्युत ऊर्जा निगम

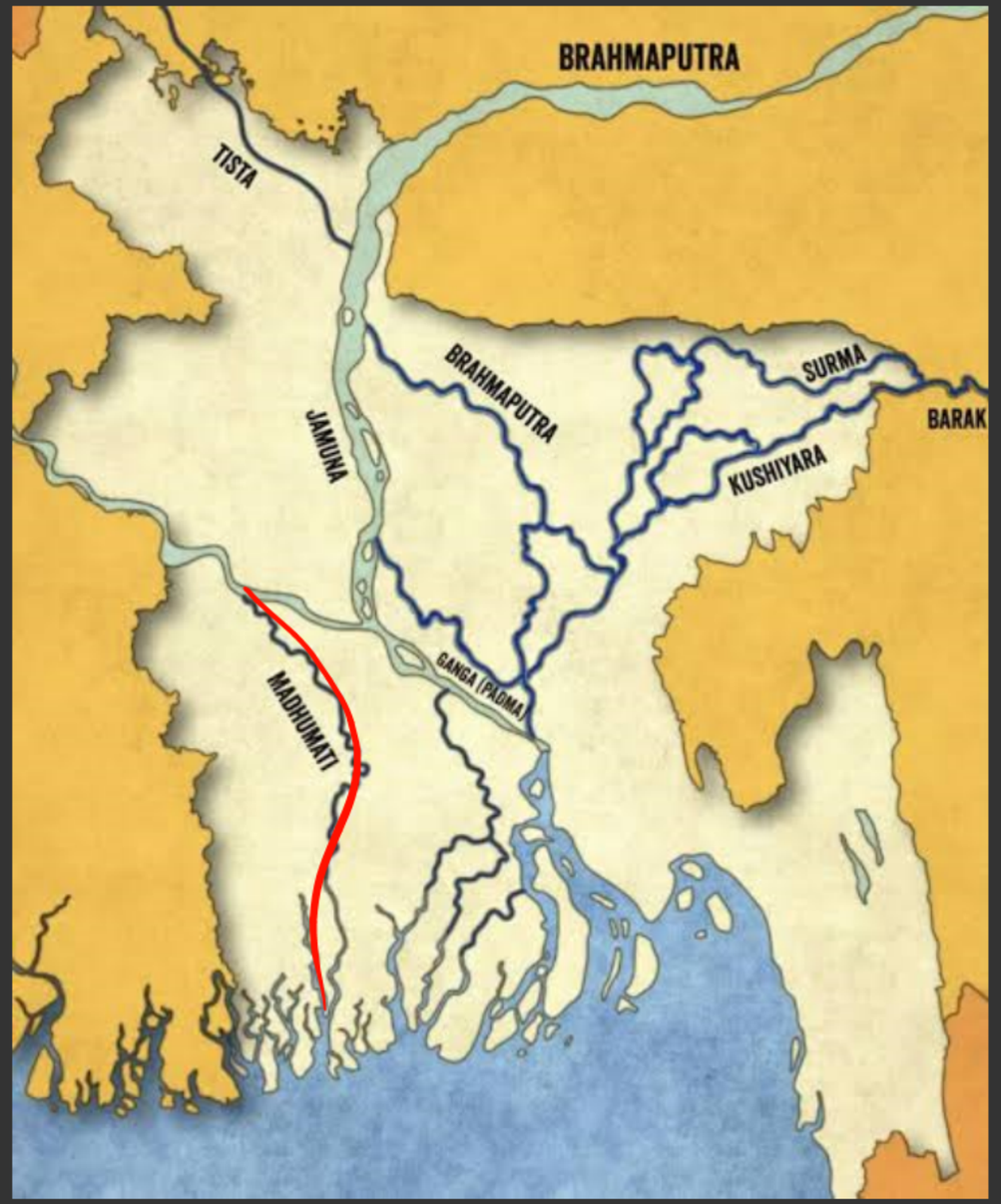
BRAHMAPUTRA
TISTA
JAMUNA
BRAHMAPUTRA
SURMA
BARAK
KUSHIYARA
GANGA (PADMA)
MADHUMATI

घग्घर नदी :- इसे प्राचीन सरस्वती, मृत नदी, दृष्द्वती नदी के नाम से जानते है।

→ इसका उद्गम HP में कालका की पहाड़ियों से होता है, जो हरियाणा, पंजाब व उत्तरी राज० से बहती हुई पाकि० में फोर्ट अब्बास के निकट मैदानों में विलुप्त हो जाती है।

→ यह आंतरिक या अंत: प्रवाह की भारत की सबसे लंबी नदी है। ✓

प्रायद्वीपीय नदियां

- मौसमी /बरसाती नदी ✓
- आधार तल को प्राप्त कर चुकी
- अवसादों की मात्रा कम
- परिवहन योग्य नहीं है।
- क्षिप्रिकाए व जलप्रपात अधिक
- छोटी नदियां
- मार्ग परिवर्तन नहीं करती
- अधिकांश भ्रंश घाटियों से बहती है

✓ लौहित नदी को खूनी नदी

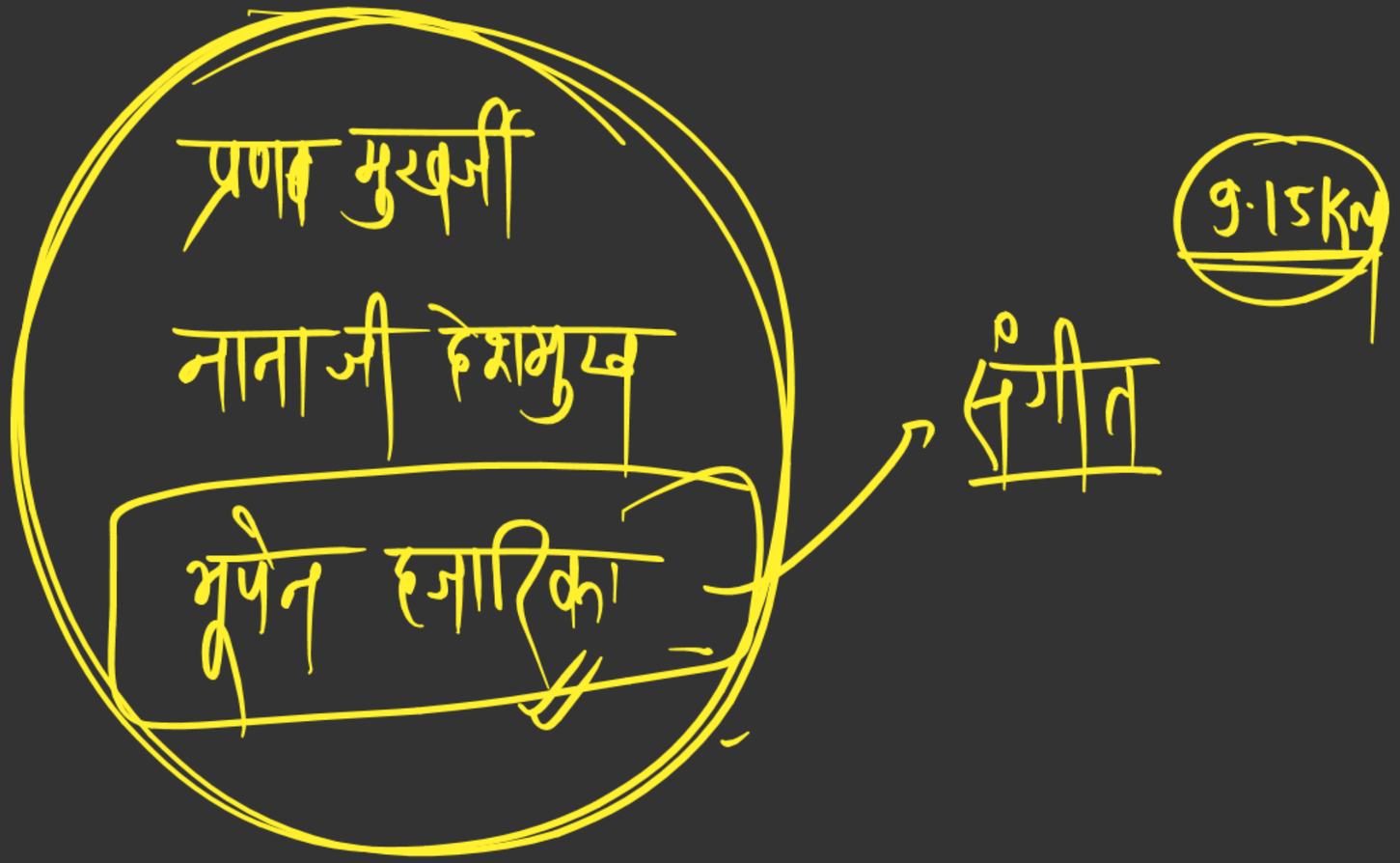

- तिस्ता नदी कंचनजंघा चोटी के निकट जेमू ग्लेशियर (चोलामू झील)
- जलपाईगुड़ी नगर
- रंगीत तिस्ता की एक महत्वपूर्ण